

# कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

## भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या १९६४ /२०३०  
प्रमाण-पत्र संख्या १९६३ /८०८

मेरी विवादों का सम्बन्ध  
मेरी विवादों का सम्बन्ध

श्री देवता मिल्टकल डॉ कि निम्नलिखित सभामुक्त के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र  
देते हैं मेरे समस्त आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। अक्टूबर २०३१० अक्टूबर २८३  
०-६५९० है वार्षा

मेरे आवेदन-पत्र के सम्बन्ध में इनकी विवादों का सम्बन्ध निम्नलिखित सभामुक्त २०३१० अक्टूबर २८४  
मेरे आवेदन-पत्र के सम्बन्ध में इनकी विवादों का सम्बन्ध ०-६५९० है वार्षा  
पैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्बन्ध से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्हेक्सों का  
दर्शक २००७ से २०१८ तक तलाश किया गया था, उक्त सम्बन्ध पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मानते इस प्रमाण-पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।  
2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, पिछे भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।  
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।  
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र  
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण-पत्र  
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

एष गिरवाक (द्वारा) निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर  
तिथि ११-११-१९६०

# कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ<sup>१</sup>

## भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या 1963 | दैनिक  
प्रमाण-पत्र संख्या 1962 | दैनिक

~~Submitted to Standardization~~

श्री शुभेन्दु कुमार द्वारा दिल्ली में भवित्व वाले निम्नलिखित के भरपूरत के तामन्त्र से प्रमाण-पत्र  
हेतु मेरे समक्ष आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। ~~५५५००३५४~~ ~~५५५००३५५~~  
~~०.८१००~~ हेतु का अदान

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

गैर एतद् द्वारा प्रमाणित करता है कि (उक्ता तम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में ऐं उनसे सम्बन्धित इन्डोवर्सों का वर्ष २००७ से २०१८ तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का या सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	---	------------------	-----------------	-------------------------------

**नोट-** 1. प्रमाण-पत्र में वाचिल भार वी तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पर्कियों के विवरण के तन्दर्दम में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पर्कियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में समिलित नहीं किये गये हैं।

2. सामन्यित अधिकारी द्वारा बौछित तलाश में तथा साक्षात्कारी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दरकार में उत्तरदायी नहीं होगा।
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यायधिक निबन्धन हुआ है, समिलित नहीं किये गये हैं।
4. यह भारतुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्राकार के स्वाक्षित का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण—पत्र  
तैयार करने वाले लिपिक के

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

उप शिवायक (हिन्दी)  
लखनऊ

二 言語

गिरिधर अधिकारी को हस्ताक्षर  
१९-११-१९९८

# कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

## भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या १९६२ | ८०३०  
प्रमाण-पत्र संख्या १९६१ | १०२

South West Germany

हेतु मेरे तमस आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। 1000000045 रुपयां १८१  
०.०५४० रुपयां

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद् हारा प्रभागित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्होंकसों का वर्ष २००५ से २०१८ तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भाषण पाठे गये:-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लैखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	वावेदारी वा नाम	लैखपत्र संख्या / लैखपत्र वर्ण
----------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

**नोट-** 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से जिन दिखाई हैं तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्प्रिलिप्त नहीं किये गये हैं।

2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा चौथित तलाश में तथा सावधानी वर्ती गयी है, किर भी किसी त्रुटि ली दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र और कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्प्रिलिप्त नहीं किये गये हैं।
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्राकार के स्वामिलव का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र  
तैयार करने वाले लिपिक के उपर्युक्त-

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण ~~कर्ता~~  
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

उप निवाल निवाल  
निवाल अधिकारी के हस्ताक्षर  
लखनऊ १९-११-१९३०

# कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

## भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या १९६१ | ३०३०  
प्रमाण-पत्र संख्या १९६० | ३०४०

मारमुक्ती के लिए अपनी लेखपत्रों को भारमुक्त करने का वापर

श्री कृष्ण कुमार शर्मा का लिखित लेखपत्र  
ने निम्नलिखित के भारमुक्त के लागवन्य में प्रमाण-पत्र  
हेतु मेरे समक्ष आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। नम्बर ००३६५ दिनांक ३.७.२  
०.०५३० के द्वारा दिल्ली के लागवन्य के द्वारा प्राप्ति की गयी।

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) वडी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्होंकों का  
वर्ष २००५ से २०१८ तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सम्बन्ध में कि गयी है, निश्चित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से ऐसे भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।  
2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा बाँधित तलाश में तथा साक्षाती वरती गयी है, फिर भी छिसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।  
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।  
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्राकार यो स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र  
तैयार करने वाले लिपिक हरज्ञानार

तलाश का सत्यापिता एवं प्रमाण-पत्र  
का परीक्षण करने वाले के हरज्ञानार

निबन्धन अधिकारी के उस्ताहर  
उप निबन्धन दिनी १०-११-२०१०  
लखनऊ

# कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

## भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या १९६० | ३०३०  
प्रमाण-पत्र संख्या १९५७ | ३०४

कार्यालय के लिए इस पत्र को लेखन की अनुमति दी गई है।

श्री कृष्णरत्न छाकि ने निम्नलिखित के भारगुप्त के समवन्ध में प्रमाण-पत्र  
हेतु मेरे समक्ष आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। गुणवत्ता ५०३७८ वृत्तिरूप ३१८  
कार्यालय के लिए इस पत्र को लेखन की अनुमति दी गई है।

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद् ह्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्होंकों का  
वर्ष २००५ से २०१८ तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये —

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का नूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	वावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

- नोट— 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों  
में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी ह्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।  
2. सम्बन्धित अधिकारी ह्वारा वौंछित तलाश में तथा साक्षात्कारी वरती गयी है, किर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।  
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, तम्मिलित नहीं किये गये हैं।  
4. यह भारगुप्त प्रमाण-पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र  
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र  
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

जनपद निवन्धक (प्रिंटिंग)  
लखनऊ

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर  
१९-११-२०१८

# कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

## भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या १९५९ | २००७  
प्रमाण-पत्र संख्या १९५८ | २००८

जीवन अधिकारी के हस्ताक्षर

श्री परिषद् अवृत्ति द्वारा दिए गए लेखपत्रों के निम्नलिखित भारमुक्त के तत्त्वान्वय में प्रमाण-पत्र हतु नेरे समझ आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। २००८-००३०२ २००९-००३०२ ०.०९७० के साथ  
प्रमाण-पत्र भेजा जाएगा। इसका उपर्युक्त वार्ता प्राप्ति का प्राप्ति का विवरण निम्न

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में ऐसे उनसे सम्बन्धित इन्होंनें का वर्ष २००७ से २०१८ तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निवन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से मिन दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्बिलित नहीं किये गये हैं।  
2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वीचित तलाश में तथा सावधानी वर्ती गयी है, पिर भी किसी चुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।  
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निवन्धन हुआ है, सम्बिलित नहीं किये गये हैं।  
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

उप निवन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर  
लालचंद १९-११-२००८

# कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

## भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या १९८० | ३०.७.००  
प्रमाण-पत्र संख्या १९८४ | ३०.७.००

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

श्री प्रियजन के लिए निम्नलिखित के भारमुक्त के समवाय में प्रमाण-पत्र<sup>१५८८</sup>  
हेतु मेर समझ आवेदन-पत्र प्रस्तुत विद्या।  
दाता का ००३०६ १९८० को ३०६  
०-१००० हैरानी छपाया गया।  
उपरोक्त दाता का पत्राकार लेखीय तरीके से दिया गया।

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का  
वर्ष २००७ से २०१८ तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये -

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या /लेखपत्र वर्ष
----------	----------------------	------------------	--	---------------------	--------------------	---------------------------------

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों  
में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।  
2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वैष्ठित तलाश में तथा साक्षात्कारी करती गयी है, किर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।  
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।  
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र  
रीयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र  
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर  
दाता का १०-११-२०१०

# कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

## भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या १९५७/३०९०  
प्रमाण-पत्र संख्या १९५६/३२

*श्री कृष्ण विष्णवास शर्मा के द्वारा दिल्ली में दर्शन के लिए आवेदन को निम्नलिखित को आरम्भ करने के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र*

*हेतु मेरे समक्ष आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। २०१८-००३३३ दार्ता ४९०  
०.६३९० हेतु  
आवेदन को निम्नलिखित को आरम्भ करने के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र  
दर्शन के लिए आवेदन किया गया।*

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोकर्सों का  
वर्ष २००७ से २०१८ तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्भित नहीं किये गये हैं।  
 2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा बाँधित तलाश में तथा साक्षानी वर्ती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।  
 3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अव्याप्तिक निबन्धन हुआ है, सम्भित नहीं किये गये हैं।  
 4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्राकार के स्वानित्र का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र  
तैयार करने वाले लिपिक व इस्तेवार

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र  
का परीक्षण करने वाले के इस्तेवार

उप निबन्धक (हिन्दी)  
निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर  
लखनऊ १८-११-२०१०

# कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

## भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या १९५६/१९७०  
प्रमाण-पत्र संख्या १९५५/१९७०

उप निबन्धक अधिकारी को आवश्यक होने वाले सभी लेखपत्रों को जारी करने का निम्नलिखित भारमुक्त के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र

हेतु मेरे सम्मान आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। २५ जून २०३६५ २१८०० का ४९३  
०-५९३० है जो  
कृपया निम्नलिखित भारमुक्त के सम्बन्ध में लेखपत्र को जारी करना।

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) इडी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इच्छोक्त्रों का  
वर्ष २००७ से २०१८ तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये हैं:-

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
----------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निवन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से निन दिखाई है तो ऐसे नामले इस प्रमाण-पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।  
2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा बौछित तलाश में तथा साक्षाती वस्ती गयी है, किर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।  
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निवन्धन हुआ है, सम्भिलित नहीं किये गये हैं।  
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्राकार के त्वारित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र  
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र  
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (दिग्गीधा)  
लिपिक

निवन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर  
१८-११-२०३०

# कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

## भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या १९५४ | १९५०  
प्रमाण-पत्र संख्या १९५३ | १९५१

१९५४ | १९५० के अनुसार

श्री हेमेंद्र सिंहवेल चांडीगढ़ निम्नलिखित के भारमुक्त वा सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र<sup>१</sup>  
उपर आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। उक्त उपराम्भ ०६६६४ वर्षान्तर ३१/०६/१९५१ है वा अन्य  
कोई निम्नलिखित वा अन्य विवरण नहीं दिया गया।

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोकसों का  
वर्ष २००१ ते २०५०/१८ तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

फ्रम रन्स	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूलांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या /लेखपत्र वर्ष
-----------	----------------------	------------------	--	---------------------	--------------------	---------------------------------

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निम्नित लेखपत्रों  
में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मानले इस प्रमाण-पत्र में सम्भिलित नहीं किये गये हैं।  
2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा दीर्घित तलाश में तथा साक्षानी वरती नयी है, किर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।  
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अस्यायधिक निबन्धन हुआ है, सम्भिलित नहीं किये गये हैं।  
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्राकार के स्वाहान्त्रता का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले य प्रमाण-पत्र  
हैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण  
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

उप नियन्त्रक (द्वितीय) निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर  
लखनऊ १८-११-१९५०

उप नियन्त्रक (द्वितीय)

# कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

## भार मुक्त प्रमाण - पत्र

प्रार्थना-पत्र संख्या १९५५ दि. ३०.१०.  
प्रमाण-पत्र संख्या १९५४ दि. ३०.९.

मेरी आवेदन-पत्र को निम्नलिखित के भारमुक्त वर्ग अनुच्छेद में प्रमाण-पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया। अनुच्छेद ०५१॥ इन्हाँ का ३६५  
का जो प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के अंतर्गत है उसका ०-५३४० है यह अपना  
आवेदन-पत्र का अंतर्गत है।

जोसा आवेदन-पत्र में दिया है।

मेरे एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में ऐसे उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सो का  
वर्ष २००७ से २०१८ तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष
---------	-------------------	---------------	--	------------------	-----------------	-------------------------------

- नोट- 1. प्रमाण-पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी हैं, निबन्धित लेखपत्रों  
में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शाये दूरी से जिन दिखाई हैं तो ऐसे मामले इस प्रमाण-पत्र में सम्भिलित नहीं किये गये हैं।  
2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा बांधित तलाश में तथा साक्षाती वरती गयी है, फिर भी किसी शुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।  
3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्भिलित नहीं किये गये हैं।  
4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र  
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण-पत्र  
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

प्रमाण-पत्र के लिए  
सम्भिलित

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर  
१८-११-२०१८

कार्यालय उपनिवेशक

सरकारी ज्ञान प्रबन्ध

सरोजनीलग्न

लक्ष्मीपाल देवगढ़ी

अंग्रेजी विद्या २०१८-१९

भारत गुरुकृत पम्पाण-ग्रन्थ  
प्रियं देव्य भद्र के लिया १२०

की विरोध करने के लिए यहाँ अवश्यक नहीं है। ताकि उसी विश्वास के द्वारा इसका विवरण दिया जाए।

नवयानीति का यात्यरिक्त संवाद, वैदेशी संवाद व विदेशी आदानप्रदान, ब्रिटिश वर्षोंमें प्राप्त जिस विभिन्न विषयों पर विवाद मुख्य अध्ययन विषय था।

କେବଳ ଏକ ପରିମାଣରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ

२०१४-१५ साल के अन्त में इसका विस्तृत विवरण होगा।

100-00000

2-13-2011-2-2

<sup>2</sup> See, for example, the discussion of the relationship between the two concepts in the introduction to the present volume.

ગુજરાત વિદ્યાર્થીની પૂર્વસ્વરૂપી હોય એવી કાર્યક્રમોની અનુભૂતિ હોય કે, જે કાર્યક્રમોની અનુભૂતિ હોય

१३८ अन्तिम वर्ष के दौरान भेजवां संस्कृतिका दृष्टि बढ़ावा दिया। इसका लक्ष्य ही ग्रन्थों का सम्पर्क बढ़ावा देना था।

। यह बताएँ पर 'नेवी जप्ती' का अवृत्ति प्रभाव नहीं ॥

तेलांगाना राज्य विकास परिवर्तन विभाग मंत्रीमंडल गृह निवन्धन विषयक।

मित्रान् एवं जन विषया देखः नम्नराम गप्ता निरुद्योग शिष्यः

નોંધ-કારણેલા રૂપાનિષત્તુના માનવીનીયતા વિશ્વાસ વિનાન

13.05.2018 से विद्यार्थी ने अपने जीवन का एक नया आवंटन कर लिया है।

कर्मात्मा है एवं वह एक व्यक्ति

સચિવાલય રાજકીયગત

NIRMAL SINGH  
Digitally signed  
by NIRMAL SINGH  
Date: 2020.11.19  
ID: 1234567890

कार्यालय उपनिवेशक सरोजनीनगर सरोजनीनगर जलपटु लखनऊ

Digitized by srujanika@gmail.com

ਪੰਜਾਬ ਅੰਡਲਾ ੨੦੧੫

अरंगुज्ज्वल प्रमाण पत्र

40. चौराजी बस्तन यु-स्ट्रो प्रामाण्या प्रत्यक्षान लहड़ी-न गरीबीलीखार लिना प्रवास न दिलाउने एक लाल-लिंग से संबद्धित अन्याय लहड़ा की अद्वितीयता यह देखा जाना चाहिए।

**क्रमांक १०** वार्षा नोवेंबर - जनवरी, तात्काल वर्षावास, नियन्त्रण, उत्तरासीच असंख्य पार्टीत ते या येण द्वारा अदिकृत हन्त शारी दोले गंभीर ग्रुप स्ट्रो

१८८

卷之三

विद्युत वितरण के लिए जल ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए।

अन्यतरी वे अपने दृष्टिकोण से इसका अधिकारी करने के लिए उन्हें उनके विरुद्ध बहुत अधिक विश्वास नहीं होता।

अपरिवर्तनीय समस्याएँ अपेक्षाकृत जागतिक रूप से संख्या में वृद्धि के साथ होती हैं।

<sup>14</sup> यहाँ उल्लेख करने का उद्देश्य यह है कि विभिन्न अवस्थाओं में समाजी असम विषय की विभिन्न रूपों का विवरण करना।

• यह जागा १०८ बोगे त्रिपुरा के नाम से प्रसिद्ध है।

तत्त्वानुसारी अवधारणा परंपरा का द्वितीय विभाग महाराष्ट्र गण्डा विश्वविद्यालय द्विसिद्धि।

३  
तिथि १५ अगस्त २०१८ समय १०.३० बिल्डर विप्रिय।

नौर-कायांत्र्य आदिवासीक यांत्रिकीया तथा वार्षिक दिवांक

12.02.2018 से बिहारील हैंडसेट लाइन के भाग्यका सर्विस

कर्मालय औ सात्व कर्मो एवं शिरोः

उपनिषद्भक्त सत्याज्ञनीयशास्त्र  
वाचन

**NIRMAL SINGH** Digitally signed by  
NIRMAJ SINGH  
Date: 2020-11-19  
11:53:15 -05'00'

कार्यालय उपनिषद्धक

सरोऽनीनश्च

संक्षेप

卷之三

અનુભૂતિ

અનુભૂતિ કાળજી વિદ્યાર્થીઓનું પણ

אנו מודים לך

भारतपत्र समाप्ति पत्र

रजिस्टरेशन के लिए १२०

५- दोस्रा अन्तर्गत [१] याच कुण्डल अवश्यक नामांकन समाजीनाम। विषय प्रछन्दन ने विभिन्न विभिन्न महाराष्ट्रीय दोस्रा नामांकन किए। इनमध्ये प्रथम नामांकन उपर्युक्त विषया है।

**संस्कृतिका** यहां प्रवाल - गोदावरी, गोदावरी नदीनाम, अजगरक, आराध्योदय वरिष्ठुष्टि वा पा ते द्वारा अपि उत्तरा शत्रोह इमन् पुरां गात्र कृत्वा  
**विवरण** अभ्यास अन्यतरा ३३६ संख्या ५४ अस्त्रवाच भेदान्तः ५४० वा ५४१.

ते शब्दों का अनुवान लिया गया है। इसका अर्थ है कि वह जगत्

प्रिया 13/11/2018 नम्बर १०२ वर्तमान से एक अस्थायी रूप से जीवन का लाभ है।

• नेह भाव अस्ति तत्त्वं तत्त्वः

प्रिया १०१-१०२  
लेख- इस पत्रात् एक सुन्दर विचार भवति इव ये गत वर्षाः जहाँ तो क्षम्य विभूतिः  
प्राप्तं तदा इव एव द्वयं तोऽप्युपास्य द्वयं कैद्योपचित्ताः ५ वा हृषीकेश लोकान् विभूतिः  
प्राप्तं तदा इव एव द्वयं तोऽप्युपास्य द्वयं कैद्योपचित्ताः ५ वा हृषीकेश लोकान् विभूतिः  
प्राप्तं तदा इव एव द्वयं तोऽप्युपास्य द्वयं कैद्योपचित्ताः ५ वा हृषीकेश लोकान् विभूतिः

२५। अक्षरों का विकास तथा उनके विभिन्न लिंगों की समस्याएँ गज्जा विवरण दियें।

पी पर्स फॉन डार ट्रिप्पल १९७८ संख्यागत गाजा ट्रिम्पल बिलिंग

वोट-के। वैल्यम उपतिष्ठान के स्थोरतीवास जन्मा, दिनें

12-07-2018 से क्रियाशील है इससे पूर्व के भारमुक्त राष्ट्रबन्धिता कानूनों से प्राप्त करने का काम करें।

उचानेकन्धक मरोजतीतगद

**NIRMAL SINGH**  
Digitally signed by  
NIRMAL SINGH  
Date: 2026.11.19  
12:03:26 +05'30'

कार्यालय उपनिवेशक सरोजनीनगर सरोजनीनगर जनपद लखनऊ

Digitized by srujanika@gmail.com

YAHOO! SEARCH BLOG

भारत संस्कृत प्रसाला-पत्र  
(जि. द्वितीय भाग के नियम ३२१)

५० गोप्यवहन एवं तत्त्वानुसार उत्तराम नहीं होता। तत्त्वानुसार तिथि उत्तराम होता है जब तिथि उत्तराम होती है। अतः उत्तराम नहीं होता।

मेरी विवाह संस्था का नाम है शिवदेवी का नाम है तथा वहाँ दूष प्रयोग करने वाली वही विवाह संस्था है। 01/01/2009 की तिथि। 12/11/2010 की तिथि।

संग्रह संकालन विभाग

Page 10

२८. यह प्राप्ति के समान है। अपेक्षा, विद्युत ऊर्जा की गतीयता + गतीयता की व्यवस्था है। (२९) इस लिए विद्युत ऊर्जा की व्यवस्था का पर्याप्त विवरण आवश्यक नहीं है। इस लिए विद्युत की व्यवस्था का विवरण आवश्यक है। विद्युत की व्यवस्था का विवरण विद्युत की व्यवस्था का विवरण है। विद्युत की व्यवस्था का विवरण विद्युत की व्यवस्था का विवरण है।

• एकादशी के दिन विष्णु की आवाज सुना दिल्ली के लिए

प्रिय दोस्तों को बताएँ कि आपका जीवन कैसा है।

लोट क्षार्यालय उपचिक्कन्दक राईज़ नीगर लखनऊ दिनांक  
17-07-2018 से क्रियशील हुस्से पूर्व के आमुक्त रागड़िया  
क्षार्यालय में संबंध बरतने का अनुद दर्श।

उपनिवेशक सरोतजीवनगार

NIRMAL SINGH  
Digitally signed  
by NIRMAL SINGH  
Date: 07/01/19  
11:35:14 +0530

कार्यालय उपलिखित

सर्वोदयकीलाल

२०१८

三

三

प्राचीन भारत २२८१-१९८५

સુરત પ્રદીપ

भार सुकृत प्रमाण-पत्र

तमन्त्रित का गत नामांकण करेगा, आठ दिनों के अवधि तक उसके अधिकारी भास चमाईस पर। शिंजोंवा वर्षात् मुख तम कृष्ण भवति, वर्षात् शुभा एव वर्षात् विश्वामित्र भवति।

एक विद्युतीय वाहन के लिए इसका नियमित उपयोग अवश्यक है।

15/11/2020 तक 224 लाइसेंस दिए गए हैं।

卷之三

卷之三

卷之三十一

<sup>2</sup> विद्युत विभाग की अधिकारी ने बताया कि इसका उद्देश्य जल संग्रह करने की ओर है।

<sup>1</sup> यह अनुवाद विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ एम. एस. राजेश द्वारा किया गया है।

4 無理矢張に言つては、何を意味するか。

更多好書盡在[www.mirrorbook.com](#)

— 1970 — 8 — 15

बोर्ड-संचालक उद्दिश्यों के समीक्षा विभाग, विभाग

12/04/2018 से विज्ञानीय एवं तकनीकी शिक्षा के अध्ययन

कृष्णलय से नाले की ओर जाता है।

उचित वर्णन के साथ जीवन बदला

**NIRMAL SINGH** Digitally signed by NIRMAL SINGH Date: 2020-11-19  
12:36:47 -05'00'

कार्यालय उपनिवेशक

सरोजनीनगर

सरोजनीनगर

जलपद

लखनऊ

फोन: ०५२२-३१४६७८५

फैक्टरी संख्या: १२१३३१८८२

भारत भुक्त प्रमाण-पत्र  
(रजिस्ट्रेशन नं. ३२४)

को आशु बाबूरेहे पुरुष की जाति वह नहीं। सरोजनीनगर निवास वस्त्रजल्दी विवाहित है। वह अपनी जन्म तुलना वर्ष पर है। (जन्म वर्ष १९८५)। जिसके बारे में वह बताता है।

अपनी जन्म वर्ष का बाबूरेहे पुरुष - सासांड़ी वाहिनी वाला वायरली गुरु राजवा योगेश्वर जी। जिस द्वारा अधिकृत हस्ताक्षरी आशु बाबूरेहे चिनाया। पुरुष की जाति वह जाति वायरली गुरु राजवा जी - २६। जाति वर्ष १९८५। लंबाकाल ००५२०५।

गी एलटीएस परामर्शकर्ता है। इनके दो बच्चे हैं। एक उसके नाम अधिकृत गुरु राजवा जी जाति वर्ष १९८५। जिनका ०३/११/२०२० जन्म उक्त जन्म वर्ष के ५००००० में ही था। इनके लिए जी जाति वर्ष १९८५। जन्म वर्ष ००५२०५।

अपने जाति वायरली गुरु राजवा जी का बाबूरेहे पुरुष की जाति वर्ष १९८५। जिसके बारे में वह बताता है।

जी जाति वर्ष १९८५। जिसके बारे में वह बताता है।

निवास वर्ष १९८५। जिसके बारे में वह बताता है। जी जाति वर्ष १९८५। जिसके बारे में वह बताता है।

जी जाति वर्ष १९८५। जिसके बारे में वह बताता है। जी जाति वर्ष १९८५। जिसके बारे में वह बताता है।

जी जाति वर्ष १९८५। जिसके बारे में वह बताता है। जी जाति वर्ष १९८५। जिसके बारे में वह बताता है।

जी जाति वर्ष १९८५। जिसके बारे में वह बताता है।

तथा अन्य जी जाति वर्ष १९८५। जिसके बारे में वह बताता है।

जी जाति वर्ष १९८५। जिसके बारे में वह बताता है।

नोट-कार्यालय उपनिवेशक सरोजनीनगर लखनऊ दिलाका

१२-०१-२०१९ से क्रियाशील है। इसके पूर्व के आरम्भिक सम्बन्धित

कार्यालय वायरली प्राप्त करने का कानून छोड़े।

उपनिवेशक सरोजनीनगर

लखनऊ

NIRMAL SINGH  
Digitally signed by  
NIRMAL SINGH  
Date: 2020.11.19  
12:38:18 -05'30'

कार्यालय उपनिवासक

## सरोजनीनगर सरोजनीनगर

त्रिपुरा

२०१८ संस्कृत विद्यालय

સ્કોર નંબર: 22035521

भारत भवन प्रग्राम-५३

‘रसिंह’ मैन्युअल के हित्रम ११५

पी. योद्धा ब्रह्मल पुर- राम कृष्ण श्रीकाल दत्तसेन स्वराजसिंहाचार योगा नवमउ दे गो-होलिक समाहित में सम्पूर्ण वर्षों-द्वारा उन्नत कृष्णतंत्र साधन दर्शन होना।

१५ विहार नगर बाल गोपनीय भवनम् द्वारा दर्शनालय अवश्यक आवासीय भूमिका इसलिए शायि नि दृग्दारा अधि कुरुते इसका कारण योग्यता विवरण पुरुष स्वरूप विहार नगर बाल गोपनीय भवनम् द्वारा दर्शनालय अवश्यक आवासीय भूमिका इसलिए शायि नि दृग्दारा अधि कुरुते इसका कारण योग्यता विवरण पुरुष स्वरूप

मेरे द्वारा यह अनुचित कहा है। इसका बाबा उसी नाम से प्रस्तुत करते हैं। 01/01/2000 तिथि

३०६ नेहरामी शासा ३०७

2000

१०८ - इस प्रकार का अनुकूल विकास आवश्यक नहीं है। यह विवर से उत्तर भूमि का है। जो एक अधिकारी लोगों की विवाहीय विवर है।

<sup>2</sup> यहाँ तक की विवरणों में एक अतिरिक्त समाजिक दर्शनीयता ने उपलब्ध किया है। यह विवरणों के अंत में लिखा गया है।

१०८ अनुसारी विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का उपयोग करते हुए इन विषयों का सम्बन्ध अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए यह विषयों का अध्ययन करना चाहिए।

.. यह प्राज्ञ परमेश्वरी के रूप में एक स्वतंत्र है। प्राज्ञ वही है

ପାଇଁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କେବଳ ଏହି ପିଲାଙ୍କ ନେଇବା କରିବାକୁ ଆମ ପିଲାଙ୍କ ଦିଲିକୁ

गोट-कालिंगा राज्योंका स्वोर्जवोनी असत्ता दिल्ली

12-07-2018 से विज्ञापन की तरफ सही हो जाएगा।

कार्यालय में भिज देते हैं तो उन्हें

रमनिवार्णका स्टोरेजलिनियर

NIRMAL SINGH Digitally signed by NIRMAL SINGH Date: 2020.11.19  
14:09:46 +05'30'

**कार्यालय उपनिवेशक सरोजनीनगर सरोजनीनगर जलपद लखनऊ**

उपनिवेशक कार्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

प्रबन्धा नं. ०६७१। ०८.०८.२०२०

**आर भुक्त प्रमाण प्रदान  
(रजिस्ट्रेशन के नियम ३३)**

मेरे अधिकारी पर्याय के लिए लखनऊ की लखनऊ सरोजनीनगर जलपद लखनऊ में लिखित भवन के हास्तांकित प्रधान द्वारा नियमित रूप से दिया गया है इस भवन का प्रधान द्वारा दिया गया नियमित विवरण नियमित विवरण के लिए दिया गया है।

नियमित विवरण का नाम सोनीलक - लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत द्वारा दिया गया है। इस विवरण का नाम द्वारा दिया गया है। इस विवरण का नाम द्वारा दिया गया है। इस विवरण का नाम द्वारा दिया गया है।

मेरे अधिकारी पर्याय के लिए लिखित विवरण का नाम द्वारा दिया गया है। इस विवरण का नाम द्वारा दिया गया है। इस विवरण का नाम द्वारा दिया गया है। इस विवरण का नाम द्वारा दिया गया है।

**सोइ मार्ग नहीं काला राज़**

नियमित विवरण

मेरे अधिकारी पर्याय के लिए लिखित विवरण का नाम द्वारा दिया गया है। इस विवरण का नाम द्वारा दिया गया है।

मेरे अधिकारी पर्याय के लिए लिखित विवरण का नाम द्वारा दिया गया है। इस विवरण का नाम द्वारा दिया गया है।

मेरे अधिकारी पर्याय के लिए लिखित विवरण का नाम द्वारा दिया गया है। इस विवरण का नाम द्वारा दिया गया है।

मेरे अधिकारी पर्याय के लिए लिखित विवरण का नाम द्वारा दिया गया है। इस विवरण का नाम द्वारा दिया गया है।

मेरे अधिकारी पर्याय के लिए लिखित विवरण का नाम द्वारा दिया गया है।

मेरे अधिकारी पर्याय के लिए लिखित विवरण का नाम द्वारा दिया गया है।

मेरे अधिकारी पर्याय के लिए लिखित विवरण का नाम द्वारा दिया गया है।

**नोट-कार्यालय उपनिवेशक सरोजनीनगर लखनऊ दिनांक**

12-07-2018 से किया गया है। इससे गुर्व के आरम्भकर सम्बन्धित

कार्यालय से प्राप्त करने का कार्य करें।

उपनिवेशक सरोजनीनगर

लखनऊ

**NIRMAL  
SINGH**

Digitally signed  
by NIRMAL  
SINGH  
Date: 2020/11/19  
13:31:13 +05'30'

कार्यालय उपनिवेशक

सुरोजनीलगार

ਸਾਰੋਜਨੀਨਗਰ      ਸਾਰੋਜਨੀਨਗਰ      ਜਨਪਦ      ਲੁਧਿਆਣਾ

त्रिपुरा

三

અધ્યાત્મ કથાન ૨૦૨૩-૨૦૨૪ (૧)

અધ્યાત્મિક વિજ્ઞાન

भार मुक्त प्रमाण-पत्र  
(राजीव मैन्याल के लिये १०५)

भी अस्तित्व प्राप्त कर सकते हैं। यह अस्तित्व का अवधारणा करने के लिए आवश्यक है।

सम्पादन नं - राजा श्रीकृष्ण - स्वरूपार्थ, गार्व प्रयोग, सत्त्वार्थ, आत्मार्थ, कैलाशी विष्णुकाम इति शिल्पद्रवण अस्तित्व एवं उत्तमता भवते ॥ ६३१ ॥

मेरी उपलब्धता का लिए आवश्यक है। असली हुई विवरणों का देखना आवश्यक है। असली विवरणों का देखना आवश्यक है।

Digitized by srujanika@gmail.com

Section 1

<sup>1</sup> अपनी वास्तविक स्थिति के बाहर आनंद लेने के लिए विद्युत विभाग की विभिन्न विधियों का उपयोग करने वाले विद्युत उपभोक्ता हैं।

१०८ व्यापार-व्यापक से जुड़े उपर्याके नियमों का व्याख्यन इस बिंदु तक ही प्रत्यक्ष नहीं हो सकता।

• यह चक्रांति तारीखपरिका पूर्व दृष्टिगती होती है।

तंत्रज्ञानी एव प्रलभ रा गाता द्वारे संज्ञानका विधिक मस्तकाम गृह्णा निवन्धित लिपिक।

‘मैंना राज उन निकाहों लिए।’ भस्त्रवास गप्ता निवासी लिखा।

ગોટાંકાયોદ્ધુ ઉલિબહેઠુ મદીનીસરાર લાલારુ ડિસ્ક

12.07.2018 के क्रियावील हस्तों सर्वे के अनुसार प्रतिक्रिया

कार्डिलस से प्राप्त करते रह करते हैं।

उपनिषद्धर्थक सर्वोज्ज्ञानवकार

NIRMAL SINGH Digitally signed by NIRMAL SINGH Date: 2023.11.19 13:32:57 (IST)

कार्यालय उपलिखंडक

सरोजनीनगर सरोजनीनगर जनपद लखनऊ

ગુજરાત ચંદ્રયાન ૧૩૧૩ માટે પણ

બન્ધ માટ્લા ૨૨ જૂન ૨૦૧૫

## भार मुक्त एवं प्रसाधन पन

ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਪ੍ਰਮਾਣ ਦੀ ਵਾਲਿਆਂ ਨਾਲ ਸੰਵੇਦਨ ਕਰੋਗੇ। ਜਿਥੋਂ ਕਹਾਂ ਕਿ ਅਤੇ ਕਿਵੇਂ ਕਾਰੋਬਾਰ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦੀ ਸੰਵੇਦਨ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

**सामग्री का विकल्प :** सामान्यतः सरपाता, आटा-मूळा, मसाला, आजासीय-इतिहास विषयक वा शिर द्वारा अधिकृत हस्तानन्दी आदि खाजाएँ पुरे विकल्प हैं। इन आठ सभी विकल्पों में, 100 ग्राममात्रा विकल्प 3 और 4 में बहुत अधिक उपयोग होता है।

प्राचीनतमा विद्युति गति के लिए इसका सभी विकास का अधिकारी भी बना दिया गया।

Digitized by srujanika@gmail.com

Digitized by srujanika@gmail.com

१०८५. इस प्रकार यह अपेक्षा विवरण संक्षेप द्वारा दिए गए उत्तरोंसे भी भी अलग रह दूँड़ रहे। अर्थात् इन उत्तरोंने उत्तराधिकारी के मानसिकता विवरण से जिसी दृष्टि का है वैदिकों के विवरण से ही वह एक विवरण नामांकन मुख्यतः दो गणनाएँ द्वारा दिए जाएँ जाते।

१०८६. इस प्रकार विवरण द्वारा विवरण अवधारणा का अनुभव द्वारा दिए गए उत्तरोंने विवरण विवरण के सम्बन्ध में दृष्टि दिया है। इसके अनुभव के अनुसार विवरण का अनुभव विवरण का अनुभव है।

१०८७. इस प्रकार यह अपेक्षा विवरण संक्षेप द्वारा दिए गए उत्तरोंसे भी भी अलग रह दूँड़ रहे। अर्थात् इन उत्तरोंने उत्तराधिकारी के मानसिकता विवरण से जिसी दृष्टि का है वैदिकों के विवरण से ही वह एक विवरण नामांकन मुख्यतः दो गणनाएँ द्वारा दिए जाएँ जाते।

એ પ્રાય તો ત્રણ વર્ષના એ કલાક સેથી નિવન્ધન હિંદુઃ-મહાત્માન ગુણા નિવન્ધન હિંદુઃ-

दोह कार्यालय असिन्हाल सरोवरीनगम वास्तविक दिनांक

उपनिषद्बन्धक सर्वोज्ञतानिकारा

17-07-2018 से क्रियारूप है इसमें पूर्व के आरगुक्त सम्बन्धित कार्योलय से पाल्पत्र करने का काम होता है।

**NIRMAL SINGH** Capitally signed  
by NIRMAI SINGH  
Date: 2022.11.19  
[334/22/16530]

**कार्यालय उपनिवेशक सरोजलीनगर सरोजलीनगर जनपद लखनऊ**

आवेदन संख्या १०२०११०१६४

संचार प्रणाली १३०२०११०१६४

**भारत सुकृत प्रतिष्ठान-पर  
राजिक मैट्रिक्स के लियम ३१५)**

मेरे दोस्रे गुमार बंसते हैं। अब यह कृष्ण अवधि तहसील सरोजलीनगर दिल्ली चौकड़ी के नियमित ग्रामपाली में वासनिधि -  
पर्यावरण एवं उत्तम भारत सुखान प्रणाली वर्ष हेतु नामज्ञ पार्षद आद्या लिया है।

सन्दर्भित साथ लोहलड़ा - सदस्यों, चउंगरनगा - सम्बन्ध, आवासीय - हमें बहुत विश्वास या ऐसे बहात अद्वितीय हस्ताक्षरी ग्रामीण गुमार बंसते  
विद्यमा - दर्दी वाल्मीकी अवधार अवधार है। १०० ग्रामीण नामज्ञानि छोड़कर ॥१६१॥ है।

मेरी गत वर्षानि विवाहित भरत है ऐसे उठाएँ स ॥२॥ इसी उन्होंने लिया है। तूर्णी वार्षि की तवार नामज्ञ ३१/०२/२८८९ वा

दिनांक १३/११/२०२०, एवं उसी वार्षिकी के सम्बन्ध में ही इसी लियमे नियमित भारत राष्ट्र द्वारा

कोइ भारतीय ग्राम नहीं।

ऐसा क्या है ?

हर १३०२०११०१६४ दिल्ली अवधि के द्वारा दिया गया है। यह दिल्ली द्वारा दिया गया है। यह दिल्ली द्वारा दिया गया है।

मानो दिल्ली द्वारा दिया गया है। यह दिल्ली द्वारा दिया गया है। यह दिल्ली द्वारा दिया गया है।

१०० वर्षों की विवाहित भरत है ऐसे उठाएँ स ॥२॥ इसी उन्होंने लिया है। तूर्णी वार्षि की तवार नामज्ञ ३१/०२/२८८९ वा

दिनांक १३/११/२०२०, एवं उसी वार्षिकी के सम्बन्ध में ही इसी लियमे नियमित भारत राष्ट्र द्वारा

कोइ भारतीय ग्राम नहीं।

एवं वार्षि की तवार नामज्ञ विवाहित भरत है। यह दिल्ली द्वारा दिया गया है।

नियमित भारत द्वारा दिया गया है। यह दिल्ली द्वारा दिया गया है।

**नोट-कार्यालय उपनिवेशक सरोजलीनगर लखनऊ दिनांक**

12-07-2018 से ब्रियाशील है इसमें पूरे के भारत सुखानि

कार्यालय से प्राप्त करने का कठोर करें,

**उपनिवेशक सरोजलीनगर  
लखनऊ**

**NIRMAL  
SINGH** Digitally signed by  
NIRMAL SINGH  
Date: 2020-11-19  
13:35:58 +05'30'